नोट—माँग की लोच का उपरोक्त वर्गीकरण इसकी प्रकृति/स्वभाव से सम्बन्धित है, अतः इस वर्गीकरण को स्वभाव के दृष्टिकोण से वर्गीकरण भी कहा जा सकता है।

माँग की कीमत लोच के प्रकार (Kinds of Price Elasticity of Demand)

कीमत में परिवर्तन होने के परिणामस्वरूप सभी वस्तुओं की माँग पर एकसमान प्रभाव नहीं पड़ता है। कुछ वस्तुओं की माँग की लोच अधिक होती है तथा कुछ की कम। **प्रो. बोल्डिंग** के अनुसार माँग की लोच की पाँच श्रेणियाँ हैं :

1. पूर्णतया लोचदार माँग (Perfectly elastic demand), 2. सापेक्षिक लोचदार माँग (Relatively elastic demand), 3. समलोचदार माँग (Unit elasticity of demand), 4. सापेक्षिक बेलोचदार माँग (Relatively inelastic demand), 5. पूर्णतया बेलोचदार माँग (Perfectly Inelastic demand)।

(1) **पूर्णतया लोचदार माँग** (Perfectly elastic demand)—यदि किसी वस्तु की कीमत में सूक्ष्म परिवर्तन होने से उसकी माँग में अनन्त परिवर्तन होता है, तो इसे पूर्णतया लोचदार माँग कहेंगे। हालाँकि व्यावहारिक जीवन में माँग की इस लोच का उदाहरण नहीं मिलता है, अर्थात् माँग की यह लोच केवल सैद्धान्तिक दृष्टिकोण से ही महत्वपूर्ण है, व्यावहारिक दृष्टिकोण से नहीं। इसे चित्र संख्या-1 द्वारा प्रदर्शित किया गया है :

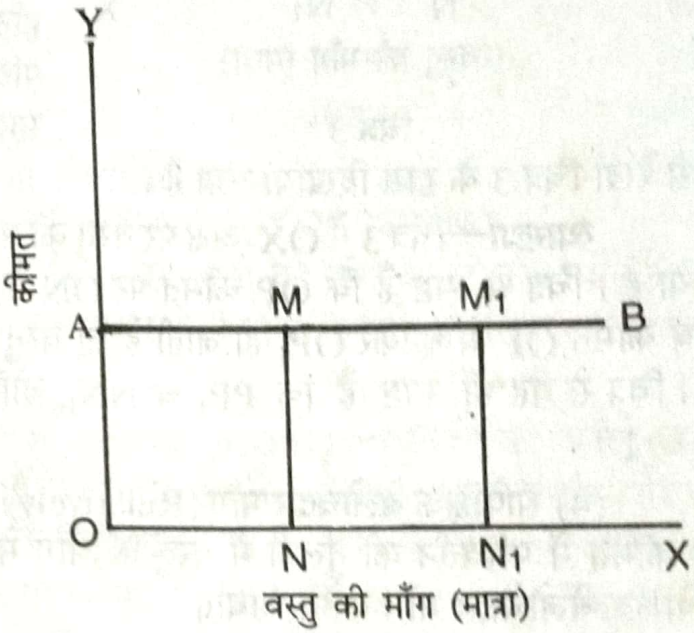

चित्र 1

व्याख्या—चित्र में OX-अक्ष पर वस्तु की माँग (मात्रा) तथा OY-अक्ष पर कीमत को दिखाया गया है। चित्र से स्पष्ट है कि कीमत में बिना परिवर्तन (सूक्ष्म परिवर्तन) हुए ही माँग में अनन्त परिवर्तन हो गया है। चित्रानुसार OA कीमत पर ON के बराबर वस्तु की माँग की जाती है, किन्तु कीमत में बिना परिवर्तन (सूक्ष्म परिवर्तन) के ही वस्तु की माँग ON से बढ़कर ON_1 हो गयी है। माँग की इस लोच में माँग की रेखा सदैव आधार रेखा के समान्तर रहती है, अर्थात् यहाँ OX || AB के हैं।

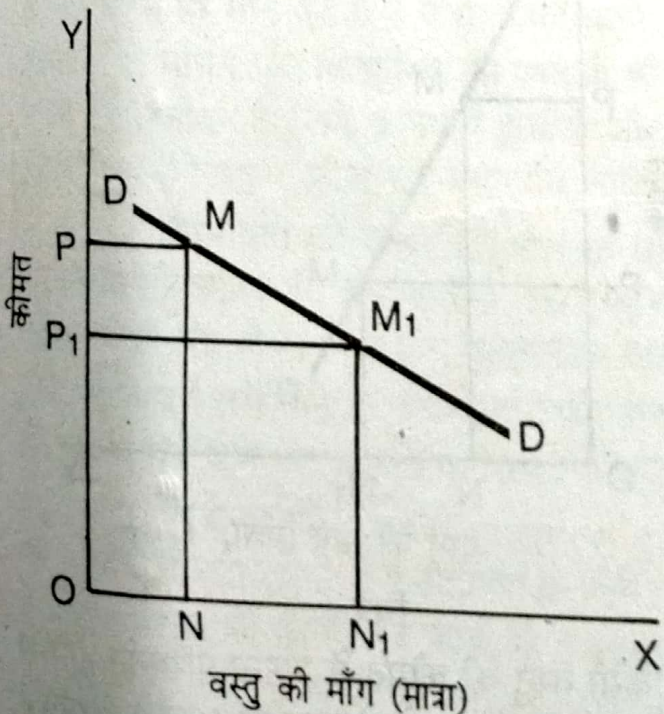

चित्र 2

(2) **सापेक्षिक लोचदार माँग** (Relatively elastic demand)—जब किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन की तुलना में माँग में अधिक परिवर्तन हो, तो इसे सापेक्षिक लोचदार माँग ($e > 1$) कहेंगे। इसे रेखा-चित्र संख्या 2 द्वारा दिखाया गया है।

Scanned with CamScanner

व्याख्या—प्रस्तुत चित्र में OX-अक्ष पर वस्तु की मात्रा तथा OY-अक्ष पर कीमत को दिखाया गया है। चित्र से स्पष्ट है कि P कीमत पर वस्तु की N मात्रा की माँग की जाती है, किन्तु जब वस्तु की कीमत P से घटकर P_1 हो जाती है तो माँग ON से बढ़कर ON_1 हो जाती है। चित्र से स्पष्ट है कि PP_1 के क्षेत्र से NN_1 का क्षेत्र अधिक है, जोकि सापेक्षिक लोचदार माँग का प्रतीक है।

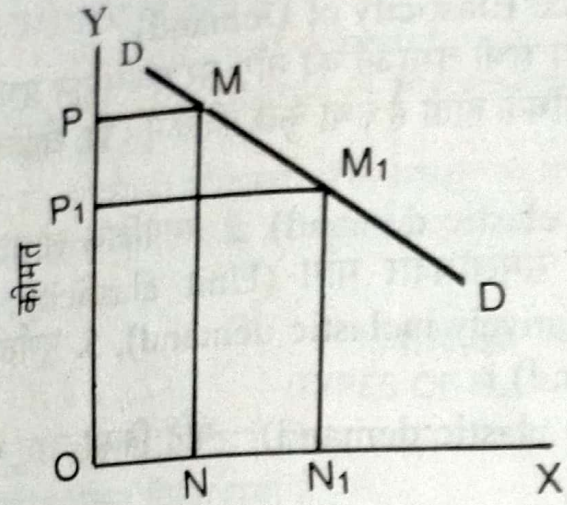

चित्र 3

(3) **समलोचदार माँग** (Unitary elasticity of demand)—जब किसी वस्तु की कीमत में जिस अनुपात में परिवर्तन होता है, ठीक उसी अनुपात में माँग में भी परिवर्तन होता है, तो इसे उस वस्तु की समलोचदार माँग कहते हैं। अर्थात् $e = 1$, इसे रेखा-चित्र 3 के द्वारा दिखाया गया है।

व्याख्या—चित्र 3 में OX-अक्ष पर वस्तु की मात्रा तथा OY-अक्ष पर कीमत को दिखाया गया है। चित्र से स्पष्ट है कि OP कीमत पर ON के बराबर वस्तु की माँग की जाती है। पुनः जब कीमत OP से घटकर OP_1 हो जाती है, तो वस्तु की माँग ON से बढ़कर ON_1 हो जाती है। चित्र से यह भी स्पष्ट है कि $PP_1 = NN_1$, जोकि समलोचदार माँग का प्रतीक है अर्थात् $e = 1$।

(4) **सापेक्षिक बेलोचदार माँग** (Relatively inelastic demand)—जब किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन की तुलना में वस्तु की माँग में कम परिवर्तन हो, तो इसे उस वस्तु की सापेक्षिक बेलोचदार माँग कहेंगे, अर्थात् $e<1$, इसे चित्र संख्या 4 के द्वारा दिखाया गया है।

व्याख्या—प्रस्तुत रेखा-चित्र में OX-अक्ष पर वस्तु की मात्रा तथा OY-अक्ष पर कीमत को दिखाया गया है। चित्र से स्पष्ट है कि OP कीमत पर वस्तु की ON मात्रा की माँग की जाती है। पुनः कीमत OP से घटकर OP_1 हो जाती है तो वस्तु की माँग ON से बढ़कर ON_1 हो जाती है, जोकि आनुपातिकतः कम है। अर्थात् $PP_1 > NN_1$, जो कि सापेक्षिक बेलोचदार माँग का प्रतीक है।

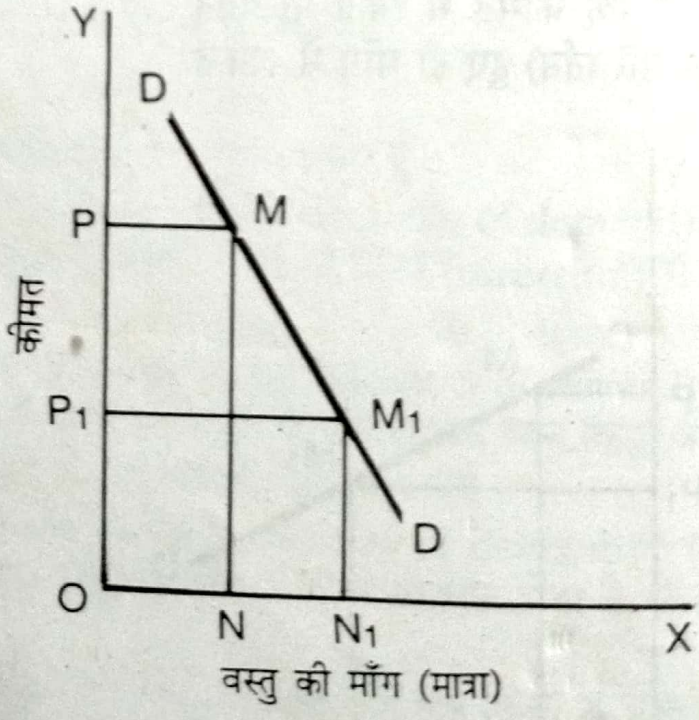

चित्र 4

(5) **पूर्णतया बेलोचदार माँग** (Perfectly inelastic demand)—जब किसी वस्तु की कीमत में अनन्त परिवर्तन होने से भी वस्तु की माँग अप्रभावित रहे, तो उसे उस वस्तु की पूर्णतया बेलोचदार माँग कहेंगे अर्थात e

Scanned with CamScanner

= 0, हालाँकि, व्यावहारिक जीवन में ऐसा उदाहरण देखने को नहीं मिलता है। इसे चित्र संख्या 5 के द्वारा दिखाया गया है।

व्याख्या—प्रस्तुत चित्र में OX-अक्ष पर वस्तु की माँग (मात्रा) तथा OY-अक्ष पर कीमत को दिखाया गया है। चित्र से स्पष्ट है कि कीमत के विभिन्न स्तर—P, P_1, P_2 पर वस्तु की माँग ON ही रहती है। अर्थात् वस्तु की कीमत में परिवर्तन का प्रभाव वस्तु की माँग पर कुछ भी नहीं पड़ता है। यह स्थिति पूर्णतया बेलोचदार माँग की लोच का परिचायक है।

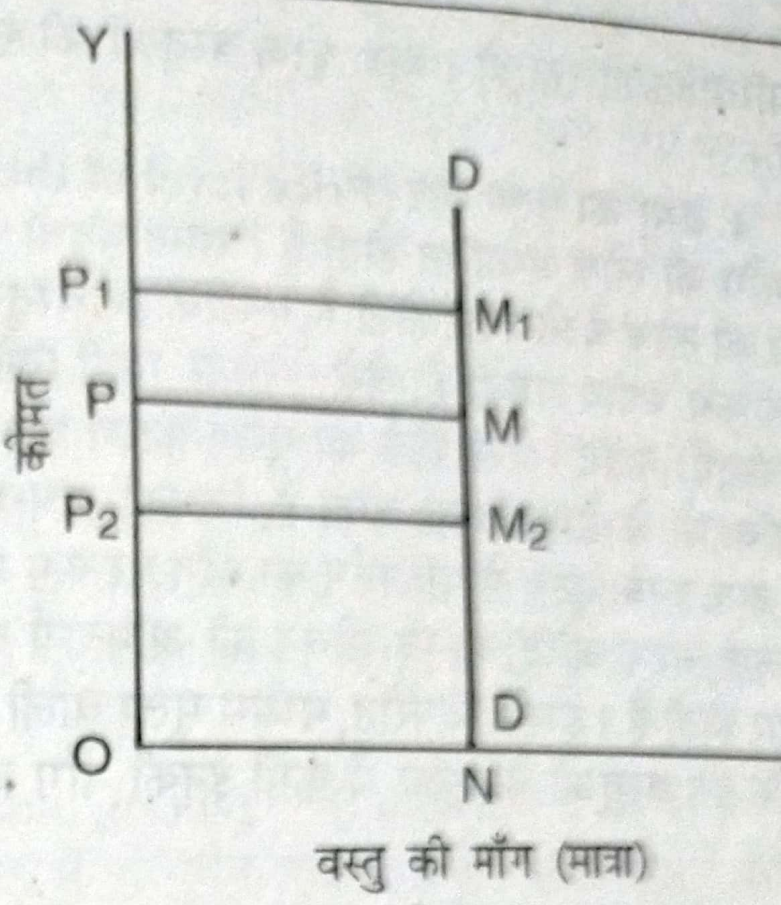

चित्र 5

Scanned with CamScanner